

2025 वनडे वर्ल्ड कप टूर्नामेंट का आगाज 30 सितंबर से होगा, मुकाबले भारत और श्रीलंका के कुल 5 मैदानों में खेले जाएंगे

मुंबई, 11 अगस्त। आगामी महिला वनडे वर्ल्ड कप के 13वें सीजन का फैसला बेसबॉल से इंजाज कर रहे हैं। टूर्नामेंट को आगामी 30 सितंबर से होगा, मुकाबले भारत और श्रीलंका के कुल 5 मैदानों में खेले जाएंगे। वर्ल्ड कप का पहला मैच 30 सितंबर को भारत और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। वर्ल्ड कप में कुल 31 मैच खेले जाएंगे, जिमें 28 मुकाबले लीग स्टैज में खेले जाएंगे। फेरुल कंडीशन में खेल रही टीम इंडिया के पास ये वर्ल्ड कप जीतने का सुनहरा मौका होगा।

टीम इंडिया 30 सितंबर को अपने अभियान की शुरुआत श्रीलंका के साथ मैच से करेगी। दूसरा मैच 5 अक्टूबर को पाकिस्तान और उसके बाद तीसरी भिड़ंत 9 अक्टूबर को साउथ अफ्रीका के साथ होगी। 12 अक्टूबर को भारत-पाकिस्तान मैच देखने लायक होगा। वहीं 19 अक्टूबर को उसे इंग्लैंड से भिड़ना होगा। भारत और



न्यूजीलैंड मैच 23 अक्टूबर और टीम इंडिया का आखिरी लीग मैच 26 अक्टूबर को बांग्लादेश के साथ होगा।

30 सितंबर- भारत बनाम श्रीलंका,
5 अक्टूबर- भारत बनाम पाकिस्तान,
9 अक्टूबर- भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका

12 अक्टूबर- भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया
19 अक्टूबर- भारत बनाम इंग्लैंड
23 अक्टूबर- भारत बनाम न्यूजीलैंड
26 अक्टूबर- भारत बनाम बांग्लादेश
इसके अलावा सेमीफाइनल मेंचौं का
शेड्यूल सेमीफाइनलस्टीफेंस मैचों के आधार पर
होगा। पहला सेमीफाइनल गुवाहाटी या
कोलंबो में खेला जाएगा, वहीं दूसरा
सेमीफाइनल मुंबाईवालेतुलु स्थान पर
चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। फाइनल के
लिए भी अभी वेन्यू तय नहीं है क्योंकि बांग्ला
या कोलंबो में से किसी एक शहर में हितवा
भिड़ंत होगा। वहीं भारत की महिला क्रिकेट
टीम अगस्त तक वनडे वर्ल्ड कप टीमें नहीं जीत
पाई है। 1973 से लेकर अगस्त तक कुल 12
बार महिला वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप खेला
चुका है। जहां भारतीय महिला टीम मजबूत
2005 वही फाइनल तक पहुंची है। टीम इंडिया
2008 और 2017 में फाइनल में पहुंची थी।



भारतीय मूल की ब्रिटिश नागरिक बोधना शिवानंदन प्रैंडमास्टर पीटर वेल्स को हराने वाली सबसे कम उम्र की महिला खिलाड़ी बन गयी है। इंग्लिश शतरंज महासंघ (ईसीएफ) द्वारा जारी एक विज्ञप्त के अनुसार, हैरो की इस 10 वर्षीय खिलाड़ी ने रविवार को लिंवरपूल में 2025

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने सीरीज में कुल 3
गाया गया अब तक का सबसे ज्यादा स्कोर है।

वर्ल्ड कप 2025 से पहले भारतीय महिला टीम को युवराज सिंह की सलाह

मुंबई, 11 अगस्ता टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने आईसीसी विमेष क्रिकेट ट्वेंटी कप 2025 से पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम को एक बड़ी सलाह दी है। 50 डेज डू ओवर्ट के दौरान युवराज सिंह ने कहा कि घरेलू परिस्थितियों में वर्ल्ड कप खेलने के अपने फायदे हैं, जिसका लाभ भारतीय टीम को उठान चाहिए। वर्ल्ड कप 2025 भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाना है। प्रेरक मैदान पर विजय कप खेलने के अपने विशेष अनुभव के बारे में बताते हुए युवराज सिंह ने कहा कि यह टीम के अग्रणी है लेकिन सफलता की कुंजी टीम के अपनी प्रक्रियाओं पर अडिग रहने में निहित है। मुंबई में आयोजित आईसीसी के 50 डेज डू ओवर्ट में युवराज ने कहा कि, मुझे लगता है कि 50 ओवरों का विजय कप ही वर्ल्ड कप है। ये भारत में हो रहा है और मुझे लगता है कि सभी को इसके लिए उत्साहित होना चाहिए। मेरा मानना है कि यह पल आपके जीवन में बार-बार नहीं आता।

लोकसभा में राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक ध्वनि मत से पारित



2025 को सोमवार को ध्वनि मत से पारित कर दिया। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने विधेयक को सदन में पारित कराने के लिए पेश करते हुए कहा कि सरकार देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए 'खेलो इंडिया' जैसे कार्यक्रम शुरू किये जिसके कारण देश के कोने कोने से खेल प्रतिभाओं सामने आ रही हैं और वैश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेर रही हैं। इस समय देश के विभिन्न हिस्सों में एक हजार से ज्यादा खेलो इंडिया खेल चल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को अच्छा काम मिले, खेलने के देश और विदेश में अवसर मिले और रोजगार सुलभ कराया जा सके, उन्होंने कहा कि वेद फेडरेशन में महिला अधिकारी को खेल प्रतिभाओं को सामने लाने तथा महिला खिलाड़ियों को सिंहर होकर आगे बढ़ने के लिए यह विधेयक महत्वपूर्ण है। विधेयक तैयार करने में एक साल से ज्यादा का वक्त लगा और सार्वजनिक रूप से इसमें 1000 लोगों को सलाह आयी है जिस पर विधेयक को अंतिम रूप देने से पहले विचार किया गया। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025 में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के सुझावों के मुताबिक संशोधन किए गए हैं। इस विधेयक का मकसद एथलीटों को तैयारी को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार कर प्रतिस्पर्धिताओं की निष्पक्षता को जम्बूवा कराना है।

मांडवियन ने इसके साथ ही दरख्वास्त से राहव्य डाँगिर रोथी (संशोधन विधेयक, 2025 को भी पारित करना क अनुरोध किया और कहा कि विधेयक में वाडा यानी विश्व डांगिर रोथी एजेंसी के सुझावों के मुताबिक संशोधन धारा गृह है। इसका उद्देश्य एथलीटों की वीरपारी को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार बनाना और प्रतियोगिताओं की निष्पक्षता को मजबूत है। मांडवियन ने कहा कि विधेयक जैसे बड़े देश का ओलंपिक और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन अब तब संभव है जबकि वीरपारी का स्तर उच्चतम के उच्चतम मानकों के अनुसार बनाना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि विधेयक भारतीय खेलों में संचर्चना, पारदर्शिता और प्रतियोगिता को नयी ऊँचाई देगा।

जयपुर, राजस्थान शतरंज में हो रही शैक्षणिक बोर्ड आधारित भागीदारी की असमानता पर सवाल

जयपुर, 11 अक्टूबर। औषधभावक एवं मीडिया भ्रमारी, चेस परेंट्स एसोसिएशन राजस्थान, जिनेश कुमार जैन ने बताया कि शतरंज के क्षेत्र में हो रहे विभिन्न खेल दूरगामीय में छात्रों को बेकार अवसर मिलना चाहिए, लेकिन यह देखकर अत्यंत खेद होता है कि सीबीएसई स्कूलों द्वारा आयोजित शतरंज दूरगामीय में आरबीएसई (राजस्थान बोर्ड) के छात्रों को भाग नहीं लेने दिया जाता, जबकि आरबीएसई द्वारा आयोजित दूरगामीय में सीबीएसई स्कूलों के छात्र सज्जता से भाग लेते हैं। यह स्थिति स्पष्ट रूप से भेदभावपूर्ण है और "खेलों में समानता" की भावना के विरुद्ध है। इस विषय पर संबंधित खेल संगठनों, शैक्षणिक बोर्ड्स और आयोजकों से निवेदन करता हूँ कि इस विषय पर गंभीरतापूर्वक विचार करें और न्यायसंगत नीति लागू करें, ताकि हर छात्र को समान अवसर मिल सके और शतरंज का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।



सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय

भारत सरकार

सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग

वर्ष 2025-26 के लिए

एससी तथा अन्य लाभवंचित समूहों के छात्रों हेतु मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत छात्रवृत्तियों की घोषण करता है।

घटक-1-एससी छात्रों के लिए मैट्रिक पूर्व छात्रवृत्ति

पात्रता	कार्य क्षेत्र	छात्रवृत्ति
एससी वर्ग से संबंधित छात्र	मान्यता प्राप्त विद्यालयों के कक्षा 9 तथा कक्षा 10 में अध्ययनरत छात्र	प्रतिवर्ष डे स्कॉलर के लिए 3500/- रूपए और हॉस्टलर के लिए 7000/- रूपए का अकादमिक भत्ता
माता-पिता/अभिभावक की वार्षिक आय 2.50 लाख रूप से अधिक नहीं होनी चाहिए	लाभार्थियों का चयन राज्य सरकार/ संघ राज्य क्षेत्र द्वारा किया जाएगा सबसे गरीब परिवारों के आवेदकों को प्राथमिकता	दिव्यांग छात्रों (विशेष रूप से सक्षम) के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता

घटक-2-अस्वच्छ एवं खतरनाक व्यवसाय में कार्यरत माता-पिता/अभिभावकों के बच्चों के लिए मेट्रिक पूर्व छात्रवृत्ति

पात्रता	कार्य क्षेत्र	छात्रवृत्ति
छात्र जिनके माता-पिता/अभिभावक अस्वच्छ एवं खतरनाक व्यवसाय में कार्यरत हैं। कोई आय सीमा पात्रता नहीं है	मान्यता प्राप्त विद्यालयों के कक्षा 1 से कक्षा 10 में अध्ययनरत छात्र लाभार्थियों का चयन राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र द्वारा किया जाएगा सबसे गरीब परिवारों के आवेदकों को प्राथमिकता	प्रतिवर्ष डे स्कॉलर के लिए 3500/- रूपए और हॉस्टलर के लिए 8000/- रूपए का अकादमिक भत्ता दिव्यांग छात्रों (विशेष रूप से सक्षम) के लिए 10 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता

छात्र के पास वैध मोबाइल नम्बर, आधार नम्बर (यूआईडी), आधार से जुड़ा बैंक खाता, आय प्रमाण पत्र, पिछले वर्ष की मार्कशीट तथा जाति प्रमाण पत्र होना चाहिए।

योजना के दिशा निर्देश तथा विस्तृत पात्रता मानदंड
<https://socialjustice.gov.in/schemes/23>



योजना के दिशा-निर्देशों के लिए क्यू.आर. कोड स्कैन करें